Shyam-Vidya Ayurved P.G. Entrance Coaching Center, Bhopal (M.P.)

Test series Paper – 1st Prof

By- Dr. Narendra Singh Lodhi (M.D.) Mob. - 09993961427, 09300961664

(1) 'व्यायाम से वात की वृद्धि होती है' – किस प्रकार के सामान्य का उदाहरण है।
- (अ) द्रव्य सामान्य
- (ब) गुण सामान्य
- (स) कर्म सामान्य
- (द) उपर्युक्त सभी

(2) करिकावली ने पदार्थो को कौन से 2 प्रकारों में बॉटा हैं।
- (अ) भाव और अभाव
- (ब) सत् और असत्
- (स) सामान्य और विशेष
- (द) नव्य और पुराण

(3) पीलु पाक का क्या अर्थ है।
- (अ) **Physical Change**
- (ब) **Chemical Change**
- (स) **Both**
- (द) **Metalic Change**

(4) चरक ने षटपदार्थ को कहा हैं।
- (अ) कारण
- (ब) कार्य
- (स) पदार्थ
- (द) प्रमाण

(5) युक्त कौनसा प्रत्यक्ष है।
- (अ) लौकिक
- (ब) अलौकिक
- (स) दोनों
- (द) उपर्युक्त कोई नहीं

(6) 'आत्मा' है।
- (अ) प्रमा
- (ब) प्रमेय
- (स) प्रमाता
- (द) ब, स दोनों

(7) चरक संहिता के प्रथम अध्याय में कौनसे दर्शन का प्रभाव देखने को मिलता है।
- (अ) वेदांत
- (ब) वैशेषिक
- (स) सांख्य
- (द) उपर्युक्त सभी

(8) 'निमेष' है।
- (अ) लघु शब्द उच्चारण काल
- (ब) आत्मा का लक्षण
- (स) नेत्र में वर्त्मगत व्याधि
- (द) उपर्युक्त सभी

(9) बुद्धि है।
- (अ) प्रमा
- (ब) प्रमेय
- (स) प्रमाण
- (द) प्रमाता

(10) आप्तोपदेश प्रमाण किसने नहीं माना है।
(अ) वैशेषिक
(ब) बौद्ध
(स) जैन
(द) उपर्युक्त सभी
(11) 'साध्याभाव व्याप्तो हेतु .....।
(अ) हेत्वाभास
(ब) बाधित
(स) असिद्ध
(द) विरूद्ध
(12) यस्य क्षालने शक्ति स .....।
(अ) श्लक्ष्णः
(ब) पिच्छिलः
(स) विशदः
(द) खरः
(13) 'नित्य' द्रव्य नहीं है।
(अ) दिशा
(ब) मन
(स) काल
(द) आत्मा
(14) वैशेषिक दर्शन ने कौनसा परादि गुण माना है।
(अ) युक्ति
(ब) अभ्यास
(स) संस्कार
(द) संयोग
(15) कौनसी वायु वातप्रकोपक होती है।
(अ) पूर्वी
(ब) पश्चिमी
(स) उत्तरी
(द) दक्षिणी
(16) प्रमाण, विपयर्य, विकल्प, निद्रा और स्मृति है।
(अ) चित्तवृत्तियॉ
(ब) पंच क्लेश
(स) चित्तभूमिकाऐं
(द) यम
(17) आहार रस प्रधानम् – किस आचार्य ने कहा है।
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) चक्रपाणि
(18) शिरः ताल्वेन्द्रिय गतम् परं मनः। – किस आचार्य का कथन है।
(अ) भावप्रकाश
(ब) चक्रपाणि
(स) सुश्रुत
(द) भेल
(19) सप्तदश धातुज पुरूष किस आचार्य ने बतलाया है।
(अ) चरक
(ब) चक्रपाणि
(स) सुश्रुत
(द) काश्यप

(20) 'तितिक्षा' का क्या अर्थ होता है।
(अ) ज्ञान रूपी पिपासा
(ब) सुख–दुखः आदि द्वन्द्वों को सहना
(स) सदाचार
(द) ब, स दोनो
(21) तम का रस 'कषाय कटु' किसने माना है।
(अ) वैशेषिक
(ब) सुश्रुत
(स) अंष्टांग हृदय
(द) अष्टांग संग्रह
(22) ऐतिह्य प्रमाण किसने माना है।
(अ) तांत्रिक
(ब) चक्रपाणि
(स) पौराणिक
(द) उपर्युक्त सभी
(23) शर्करा को देखकर उसकी मधुरता का ज्ञान किस प्रमाण से होता है।
(अ) प्रत्यक्ष
(ब) अनुमान
(स) युक्ति
(द) अर्थापत्ति
(24) चरकानुसार चतुर्विध प्रमाण साधनों में सबसे पहले किसके द्वारा ज्ञान करना चाहिए।
(अ) प्रत्यक्ष
(ब) आप्तोपदेश
(स) अनुमान
(द) युक्ति
(25) रोग उत्पत्ति में ''दोष दूष्य सम्मूर्च्छना होना'' कौनसा कारण है।
(अ) समवायिकारण
(ब) असमवायिकारण
(स) निमित्त कारण
(द) उपर्युक्त सभी
(26) ''चिकित्सा सार संग्रह'' के रचेयिता है।
(अ) धन्वतरि
(ब) अश्विनी कुमार
(स) यादवजी त्रिक्रमजी
(द) वंगसेन
(27) भूतविद्या का आकारग्रंथ है।
(अ) अर्थववेद
(ब) ऋग्वेद
(स) धनुर्वेद
(द) सामवेद
(28) अर्थववेद में ज्वर के कौनसा शब्द उपयोग में लिया गया है।
(अ) 'तक्मा'
(ब) वैश्वानर
(स) रोगराट्
(द) उपर्युक्त सभी
(29) बृहत्त्रयी के संस्कृत टीकाकार है
(अ) चक्रपाणि
(ब) डल्हण
(स) जेज्जट
(द) गयादास

(30) चिकित्सा स्थान के 17, कल्पस्थान के 12 और सिद्धि स्थान के 12 अध्यायों को चरक संहिता के सम्पूरक कौन हैं।
(अ) चक्रपाणि
(ब) डल्हण
(स) दृढ़बल
(द) चन्द्रट

(31) ''पथ्ये सति गदार्तस्य किम् औषधं निषेवणम्'' किसका कथन है
(अ) चरक
(ब) लोलिम्बराज
(स) चक्रदत्त
(द) गंगाधर रायॅ

(32) 9 साध्य और 9 अध्याय कुष्ठो का वर्णन किस आचार्य ने किया है
(अ) हारीत
(ब) भेल
(स) काश्यप
(द) ब, स दोनों

(33) आलोचक पित्त के दो भेद चक्षु वैशेषिक और बुद्धि वैशेषिक किस आचार्य ने मानें है।
(अ) भावमिश्र
(ब) चक्रपाणि
(स) काश्यप
(द) भेल

(34) 'वासायां विद्यमानायामाशायां जीवितस्य च। रक्तपित्ती क्षयी कासी किमर्थमवसीदति।' – किस आचार्य ने कहा हैं
(अ) हारीत
(ब) भेल
(स) काश्यप
(द) भावप्रकाश

(35) अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः क्रियायां संशयो भवेत्। – हारीत ने किसके लिए कहा है।
(अ) अश्मरी
(ब) दूष्योदर
(स) जलोदर
(द) मूढगर्भ

(36) भेलानुसार शुक्र का अंजलि प्रमाण होता है।
(अ) 1
(ब) 2
(स) 3
(द) उर्पयुक्त में से कोई नहीं

(37) आचार्य भेल के अनुसार पित्त दोष की चिकित्सा है।
(अ) प्रच्छर्दन
(ब) विरेचन
(स) परिशोधन
(द) रक्तमोक्षण

(38) भैषज्यरामायण किसकी रचना हैं।
(अ) लोलिल्बराज
(ब) गंगाधर राय
(स) रामहर्षसिंह
(द) चक्रदत्त

(39) 'वैद्यवल्भ' किसकी रचना हैं।
(अ) लोलिल्बराज
(ब) हस्तिरूचि
(स) वंशीधरमिश्र
(द) चक्रदत्त

(40) मसूरिका की चिकित्सा में रूद्राक्ष का प्रयोग किस ग्रन्थ की देन हैं।
(अ) वैद्यजीवन
(ब) वैद्य मनोरमा
(स) वैद्यामृत
(द) वैद्य चिन्तामणि
(41) चरक संहिता को ''अखिलशास्त्रविद्याकल्पद्रुम'' किसने कहा है।
(अ) दृढबल
(ब) गंगाधर रॉय
(स) चक्रपाणि
(द) शिवदाससेन
(42) चरक संहिता में उत्तर तंत्र शामिल था ऐसा मत किस आचार्य का है ?
(अ) दृढबल
(ब) गंगाधर रॉय
(स) चक्रपाणि
(द) शिवदाससेन
(43) यथा विषं यथा शस्त्रं यथाग्निरशर्नियथा। – किसका कथन हैं।
(अ) सुश्रुत
(ब) चरक
(स) वाग्भट्ट
(द) हारीत
(44) हारीत ने बन्ध्या के भेद बतलाए है।
(अ) 9
(ब) 6
(स) 5
(द) उपर्युक्त कोई नहीं
(45) श्लीपद में शाखोटक का प्रयोग सर्वप्रथम किसने बतलाया है।
(अ) शारग्धर
(ब) वृंद माधव
(स) वंगसेन
(द) चक्रदत्त
(46) पंडित कमेटी की स्थापना किस काल में हुई ?
(अ) 1945
(ब) 1946
(स) 1949
(द) 1955
(47) 'खरनाद संहिता' किससे संबन्धित है।
(अ) शालक्य
(ब) शल्यतंत्र
(स) कायचिकित्सा
(द) कौमार्यभृत्य
(48) **World Haemophilia Day** हैं।
(अ) 17 अप्रैल
(ब) 21 सितम्बर
(स) 28 जुलाई
(द) 14 नम्बवर
(49) शालिहोत्र ग्रंथ किससे संबन्धित है।
(अ) हस्तायुर्वेद
(ब) गजायुर्वेद
(स) अश्वायुर्वेद
(द) वृक्षायुर्वेद

(50) **Foundation of National Institute of Ayurveda takes place on the basis of-**

(अ) **IMCR act 1970**

(ब) **Raj. Societies Reg. Act, 1956**

(स) **C.C.I.M. act, 1970**

(द) **RAU act, 2002**

(51) भूत विद्या को 'ग्रह' की संज्ञा किसने दी है।

(अ) चरक

(ब) सुश्रुत

(स) वाग्भट्ट

(द) भावप्रकाश

(52) तत्र शरीरं नाम चेतनाधिष्ठान भूतंपंचममहाभूतविकार समुदायत्कं समयोगवाहि – किसका कथन है।

(अ) चरक

(ब) सुश्रुत

(स) अष्टांग हृदय

(द) अष्टांग संग्रह

(53) शक्ति युक्त द्रव्य है।

(अ) दोष

(ब) धातु

(स) मल

(द) उपर्युक्त सभी

(54) 'पार्ष्णि' की तुलना किससे की गई है।

(अ) गुल्फ

(ब) मणिबंध

(स) अरत्नि

(द) उपर्युक्त कोई नहीं

(55) 'धृति' किस दोष का कर्म है।

(अ) वात

(ब) पित्त

(स) कफ

(द) उपर्युक्त कोई नहीं

(56) दोष, धातु और मलों के आश्रयीएवं आश्रय संबंध का वर्णन किस आचार्य ने किया है।

(अ) चरक

(ब) सुश्रुत

(स) वाग्भट्ट

(द) शांरर्ग्धर

(57) कक्षाललाटनासासु हस्तपादादिसन्धिषु। प्रस्वेदान्मुखशोषच्च बलार्द्ध तद्विनिर्दिशेत् इति। – किसका कथन हैं।

(अ) चक्रपाणि

(ब) सुश्रुत

(स) वाग्भट्ट

(द) डल्हण

(58) वैदिक ग्रंथोक्त पांच वायु में से 'कूर्म' वायु का कार्य होता है।

(अ) उदगार

(ब) उन्मेष

(स) क्षुधा

(द) जृम्भा

(59) अष्टांग हृदय के अनुसार किसके परिपाक से शरीर पर सात त्वचाओं की उत्पत्ति होती है।

(अ) रस

(ब) रक्त

(स) मांस

(द) मेद

(60) रंजक पित्त का स्थान अमाशय किस आचार्य ने माना है।
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) शांरग्धर
(61) अष्टांग संग्रह के अनुसार 'हृद्द्रवः' किसका लक्षण है।
(अ) रसक्षय
(ब) कफक्षय
(स) रसवृद्धि
(द) कफवृद्धि
(62) आर्तव को अष्टम धातु किस आचार्य ने माना है।
(अ) भावमिश्र
(ब) चक्रपाणि
(स) काश्यप
(द) शांरग्धर
(63) कौनसा कथन सही नहीं हैं ?
(अ) गोरक्ष संहिता में 10 प्रमुख नाडियों का वर्णन है।
(ब) शिव संहिता में 14 प्रमुख नाडियों का वर्णन है।
(स) मुख्य तीन नाडियों (इडा, पिंगला एवं सुषुम्णा) में प्रधान नाडी सुषुम्णा के देवता अग्नि है।
(द) शिव संहिता में सरस्वती को सुषुम्णा का पर्याय माना गया है।
(64) 'दृढत्व' किस धातु का कर्म है।
(अ) मेद धातु
(ब) मांस धातु
(स) शुक्र धातु
(द) अस्थि धातु
(65) 'अप्राचुर्य क्रियाणां च' किसका लक्षण है।
(अ) ओज विस्रंस
(ब) बल विस्रंस
(स) बल व्यापत
(द) ओज वृद्धि
(66) क्लेद विधृति। – किसका कर्म है।
(अ) पुरीष
(ब) मूत्र
(स) स्वेद
(द) सभी का
(67) 'घर्म' – किसका पर्याय है।
(अ) पुरीष
(ब) मूत्र
(स) स्वेद
(द) सभी का
(68) CSF को गति देने वाली रोमयुक्त कोशिकाएँ है।
(अ) **Ependymal cells**
(ब) **Epithilial cells**
(स) **Parencymal cells**
(द) **None.**

(69) The normal size of Eosinophils

(A) 7.2 micron
(B) 10 – 15 micron
(C) 7 – 15 micron
(D) 25 – 30 micron

(70) Principle extracellular cation

(A) K+ (Potassium)
(B) Na+ (Sodium)
(C) PO4+ (Phosphate)
(D) Cl- (Chloride)

(71) The normal platelet count in the adult is

(A) 1.5-4.5 lakhs cell/cc
(B) 1-2 lakhs cell/cc
(C) 1-1.5 lakhs cell/cc
(D) 4000-11000cell/cc

(72) Duration of one cardiac cycle when the heart rate is 75/min.

(A) 0.8 sec
(B) 1 sec
(C) 0.9 sec
(D) 0.7 sec

(73) Serum amylase rise in –

(A) Pancreatitis
(B) Endocardaitis
(C) Liver Cirosis
(D) MI

(74) Ectopic testicles may be found in-

(A) Superficial inguinal pouch
(B) Suprapubic area
(C) Perineum
(D) all the above

(75) macules, papules & vesicles are progresive lesions of

(A) Mumps
(B) Measles
(C) Rubella
(D) Chicken pox

(76) The kidney substance which is responsible for the utilization of calcium is

(A) Calcirol
(B) Calcitonin
(C) Calcitirol
(D) All

(77) अन्नवह धमनी का आश्रय है।

(अ) आमाशय
(ब) पक्वाशय
(स) पित्ताशय
(द) आन्त्र

(78) महत्यः स्नायवः प्रोक्ताः कण्डरा। प्रसारणाकुन्चनयोर्दृष्टं तासां प्रयोजनम्। – किसका कथन है।

(अ) भावप्रकाश
(ब) सुश्रुत
(स) काश्यप
(द) शांरग्धर

(79) चरकोक्त पंद्रह कोष्ठांगों में से 'पक्वाशय' के स्थान पर आचार्य भेल ने कौनसे कोष्टांग का वर्णन किया है ?

(अ) निवाप्नहन
(ब) अवाप्नहन
(स) वपावहन
(द) फुफ्फुस

(80) कोष्ठाश्रित सिरायों की संख्या होती हैं।

(अ) 100 (ब) 34 (स) 41 (द) 175

(81) 'दम्भ' किसका कर्म है।
(अ) सात्विक मन
(ब) राजस मन
(स) तामस मन
(द) उपर्युक्त कोई नहीं
(82) गर्भच्छिद्र संश्रित पेशियों की संख्या है
(अ) 6
(ब) 3
(स) 4
(द) 5
(83) सुश्रुतानुसार गर्भनाभि नाडी द्वारा माता से गर्भ को .....प्राप्त होता है।
(अ) आहार रस
(ब) वीर्य
(स) आहाररसवीर्य
(द) रक्त
(84) सुश्रुतानुसार 'अन्ध्य व दृष्टयुपघात' कौनसी मर्म के अभिघात के लक्षण है।
(अ) अपांग
(ब) आवर्त्त
(स) दोनो
(द) उपर्युक्त कोई नहीं
(85) शंगिणी, शब्दिनी, कणिनी, अंकुरिणी, वेदिनी और जालिनी – आदि त्वचाओं का वर्णन किस आचार्य ने किया है।
(अ) गणनाथसेन
(ब) दमोदर शर्मा गौड
(स) रणजीत राय देसाई
(द) गयदास
(86) सुश्रुतानुसार 'क्रोधी' कौनसे दोषज प्रकृति के पुरूष का लक्षण है।
(अ) वातिक
(ब) पित्तज
(स) कफज
(द) त्रिदोषज

(87) Smallest part of penis
(A) Membranous
(B) Urethral
(C) Prostate
(D) Glans penis

(88) Which part remains empty after death -
(A) The bladder and bowels
(B) Stomach
(C) Heart
(D) All

(89) The facial muscle responsible for closing your mouth -
(A) Temporalis
(B) Masseter
(C) Medial pterygold
(D) All

(90) Slightly movable joint is
(A) Synarthrous
(B) Amphiarthrous
(C) Diarthrous
(D) All

(91) Leinorenal ligament is present between

(A) Spleen & kidney

(B) Liver & kidney

(C) Liver & Spleen

(D) All

(92) Blood Supply to mammary gland

(A) internal thoracic artery

(B) axillary artery

(C) intercostal arteries

(D) All

(100) Shape of ethamoid bone is

(A) Seive like

(B) Wing like

(C) Hole like

(D) Shell like

(94) The left gonadal vein is the branch of

(A) Left renal

(B) Rt. Renal

(C) Saphenous vein

(D) None

(95) वातकण्टक में सिरावेधन कहॉ कराते है।

(अ) क्षिप्र मर्म से 2 अंगुल ऊपर

(ब) जंघा से 4 अंगुल ऊपर

(स) गुल्फ संधि से 4 अंगुल ऊपर

(द) गुल्फ संधि से 4 अंगुल नीचें

(96) असृगदरानाह मूत्रसंग – निम्नलिखित में से किसका लक्षण है।

(अ) मूढगर्भ

(ब) प्रस्रंसमान गर्भ

(स) कालातीत गर्भ

(द) मक्कल शूल

(97) 12 प्रकार की पेशियों का वर्णन किस आचार्य ने किया है।

(अ) चरक

(ब) सुश्रुत

(स) वाग्भट्ट

(द) शांरर्ग्धर

(98) 'पार्ष्णि' का अंगुल प्रमाण है।

(अ) 4 अंगुल

(ब) 5 अंगुल

(स) 6 अंगुल

(अ) 3 अंगुल

(99) रजः सप्तदिनं यावत् – किस आचार्य का कथन है।

(अ) क्षारपाणि

(ब) हारीत

(स) भेल

(द) पाराशर

(100) डल्हण के अनुसार – अर्थाविलीन घृतकारी है ?

(अ) मस्तक मज्जा

(ब) मस्तक मांस

(स) मस्तक मेद

(द) उपर्युक्त सभी